	9-2-25	02	1-2

The Tribune

Khejri precious tree, its conservation need of hour: Governor

Governor Bandaru Dattatreya with HAU VC Prof BR Kamboj.

HISAR, FEBRUARY 9

A meeting was organised at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University to discuss the conservation and promotion of Khejri trees in Haryana, chaired by Governor Bandaru Dattatreya.

The meeting was attended by Nalwa MLA Randhir Panihar, HAU Vice-Chancellor Prof BR Kamboj, GJUST Vice-Chancellor Prof Narsi Ram Bishnoi and other officials.

The Governor emphasised the significance of Khejri trees, particularly in dry regions. He highlighted that every part of the Khejri tree was beneficial for both humans and animals and it played a crucial role in environmental conservation. Khejri was a nitrogen-fixing tree, which helped in improving soil fertility. He noted its long-standing use in ayurveda and traditional medicine for treating various ailments. He called for a concerted effort to conserve and promote this valuable tree, urging the universities to conduct research, provide saplings to farmers, and organise awareness programmes, particularly targeting the youth. He also encouraged social organisations and activists to join the campaign and spread awareness about the importance of Khejri trees.

Vice-Chancellor Kamboj shared insights on Khejri's role in traditional agroforestry systems, calling it the "king of the desert." He explained that Khejri was predominantly found in Haryana's districts of Sirsa, Fatehabad, Hisar, Bhiwani, Mahendragarh, Rewari, and Charkhi Dadri. A research conducted by HAU's Forestry Department on agroforestry models showed that crops grown alongside Khejri trees yielded higher productivity and had enhanced soil fertility. He also pointed out the nutritional value of Khejri pods, locally known as Sangri, which could be used to create various food products such as vegetables, pickles, laddoos, chutney, and biscuits, promoting nutritional security and entrepreneurship. Furthermore, the extract from the tree's bark was used in the symptomatic treatment of scorpion and snake bites. Kamboj concluded that Khejri was an essential species in the fragile ecosystem of the Thar Desert. — TNS

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	9-2-25	03	01

THE TIMES OF INDIA

'Must protect Khejri trees'

Hisar: A meeting was organised in Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University on Saturday to discuss the importance of Khejri trees in Haryana. During the event, governor Bandaru Dattatreya said Khejri is a important tree of the dry region, and it plays an important role in environmental conservation. "Khejri is a nitrogen-fixing tree that increases fertility of the soil. Khejri is also used in Ayurveda and other traditional systems of medicine," he said. TNN

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	9-2-25	08	1-2

एचएयू में हुई बैठक में बोले राज्यपाल

खेजड़ी बहुमूल्य वृक्ष, इसका संरक्षण और बढ़ावा जरूरी

हिसार में शनिवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हुई बैठक में मौजूद राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य। -हप्र

हिसार, 8 फरवरी (हप्र)

खेजड़ी वृक्ष को हरियाणा में संरक्षण और बढ़ावा देने के उद्देश्य से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने की। बैठक में नलवा के विधायक रणधीर पनिहार, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व गुजविप्रौवि के कुलपति प्रो. नरसी राम उपस्थित रहे।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि खेजड़ी शुष्क क्षेत्र का बहुत महत्वपूर्ण वृक्ष है। इसका संपूर्ण भाग मनुष्य और पशुओं के लिए लाभदायक है तथा यह पर्यावरण को संतुलित करने में अहम भूमिका निभाता है। खेजड़ी नाइट्रोजन-फिक्सिंग पेड़ है जो मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाता है। खेजड़ी का उपयोग आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों का उपयोग लंबे समय से विभिन्न बीमारियों के इलाज में किया जाता रहा है। इतने महत्वपूर्ण वृक्ष का संरक्षण व इसको बढावा देना जरूरी है, इसके लिए विश्वविद्यालय शोध करें और किसानों को पौधे उपलब्ध करवाए और किसानों में खासतौर पर युवाओं को इसके महत्व के बारे में जागरूक करें। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि खेजड़ी जिसे रेगिस्तान का राजा भी कहा जाता है, पारंपरिक कृषि वानिकी प्रणालियों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	9-2-25	04	1-4

खेजड़ी बहुमूल्य वृक्ष, इसका संरक्षण व बढ़ावा जरूरी : दत्तात्रेय

जागरण संवाददाता • हिसार : हरियाणा के राज्यपाल व विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि खेजड़ी यानी जांटी पेड़ शुष्क क्षेत्र का बहुत महत्वपूर्ण वृक्ष है। इसका सम्पूर्ण भाग मनुष्य और पशुओं के लिए लाभदायक है तथा यह पर्यावरण को संतुलित करने में अहम भूमिका निभाता है।

खेजड़ी एक नाइट्रोजन-फिक्सिंग पेड़ है जो मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाता है। खेजड़ी का उपयोग आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों का उपयोग लंबे समय से विभिन्न बीमारियों के इलाज में किया जाता रहा है। इतने महत्वपूर्ण वृक्ष का संरक्षण व इसको बढ़ावा देना जरूरी है इसके लिए विश्वविद्यालय शोध करें और किसानों को पौधे उपलब्ध करवाएं।

वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खेजड़ी को हरियाणा में संरक्षण व बढ़ावा देने के उद्देश्य से बैठक की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। बैठक में नलवा के विधायक रणधीर पनिहार, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व जीजेयू के कुलपति प्रो. नरसी राम व अन्य अधिकारी उपस्थित रहें। इसके बाद उन्होंने बरवाला रोड पर ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय में 38वें एआईयू नार्थ-वेस्ट जोन यूथ फेस्टिवल 2025 का भव्य शुभारंभ किया। जिला प्रशासन की तरफ से एडीसी सी. जयाश्रद्धा ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि किसानों में खासतौर पर युवाओं को इसके महत्व के बारे में जागरूक करें। उन्होंने सामाजिक संगठनों व कार्यकर्ताओं को भी इस मुहिम से जोड़ने को कहा ताकि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसके बारे में जागरूक कर सकें। उन्होंने कहा कि इसमें कोई दोराय नहीं है कि खेजड़ी यानि जांटी महत्वपूर्ण है। इसके गुणों के बारे में हर किसी को पता होना चाहिए। किसान इसके प्रति तभी आकर्षित होंगे, जब इसके बारे में उन्हें पता लगेगा।

हकृवि में खेजडी के संरक्षण व बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित बैठक में मौजूद राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य • पीआरओ

फसलों पर सकारात्मक प्रभाव : प्रो. बीआर काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि खेजड़ी जिसे रेगिस्तान का राजा भी कहा जाता है, पारंपरिक कृषि वानिकी प्रणालियों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। हरियाणा में मुख्य रूप से सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी और चरखी दादरी जिलों में पाया जाता है। हकृवि के वानिकी विभाग ने विभिन्न कृषि वानिकी माडलों पर परीक्षण किए हैं जिसमें पाया गया कि खेजड़ी के साथ जो फसल बोई जाती है उस फसल की उत्पादकता सामान्य से अधिक होती है। यह मिट्टी की उर्वरता क्षमता को बढ़ाता है। इस वृक्ष की फलियां स्थानीय रूप से सांगरी के रूप में जानी जाती हैं, जिसमें पौषक तत्व भरपूर मात्रा मे होते है। खेजड़ी की फलियां जिनका मूल्य संवर्धन करके जैसी सब्जी, अचार, लड्डू, चटनी, बिस्किट इत्यादि खाद्य उत्पाद निर्मित करके पौषण सुरक्षा व उद्यमिता को बढ़ावा मिल सकता है। इस पेड़ की छाल के अर्क का उपयोग बिच्छू और सांप के काटने के लक्षणात्मक उपचार में किया जाता रहा है।

बाउंड्री पर लगाएं यह पेड़

विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि किसान को बाउंड्री पर खेजड़ी के पेड जरूर लगाने चाहिए और विश्वविद्यालय को शोध के लिए जमीन व अन्य किसी प्रकार की सहायता देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पेड़ बचाने को लेकर 1730 में चलाए गए आंदोलन का जिक्र भी राज्यपाल के समक्ष किया। जीजेयू के कुलपति प्रो. नरसी राम ने कहा कि चिपको आन्दोलन व अन्य विषयों पर अपने विचार रखें। अनुसंधान निदेशक, डा. राजबीर गर्ग ने खेजड़ी पर विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर वन मण्डल अधिकारी रोहतास बीरथल, ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, रजिस्ट्रार डा. पवन कुमार, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, डा. एसके पाहुजा, एसवीसी कपिल अरोड़ा, विभागाध्यक्ष वानिकी विभाग डा. संदीप आर्य व डा. उर्वशी नांदल आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	9-2-25	04	06-07

एचएयू में पहुंचे राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय का स्वागत करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज, नलवा विधायक रणधीर पनिहार, जीजेयू के कुलपति प्रो. नरसीराम बिश्नोई व अन्य। स्रोत : संस्थान

खेजड़ी के संरक्षण के लिए विश्वविद्यालय करे शोध किसानों को उपलब्ध करवाए पौधें : बंडारू दत्तात्रेय

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित बैठक में पहुंचे राज्यपाल

हिसार। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि खेजड़ी (जाटी) का संरक्षण व बढ़ावा देना जरूरी है। इसके लिए विश्वविद्यालय शोध करे और किसानों को पौधे उपलब्ध कराए। किसानों में खासतौर पर युवाओं को इसके महत्व के बारे में जागरूक करें।

खेजड़ी शुष्क क्षेत्र का बहुत महत्वपूर्ण वृक्ष है। इसका संपूर्ण भाग मनुष्य और पशुओं के लिए लाभदायक है। शनिवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में खेजड़ी (जाटी) को सरंक्षण व बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुई बैठक में अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि खेजड़ी एक नाइट्रोजन-फिक्सिंग पेड़ है, जो मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाता है। खेजड़ी का उपयोग आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों का उपयोग लंबे समय से विभिन्न बीमारियों के इलाज में किया जाता रहा है।

विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि किसान को खेत की मंडेर पर खेजड़ी के पेड़ जरूर लगाने चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय को शोध के लिए जमीन व अन्य किसी प्रकार की सहायता का आश्वासन दिया।

कृषि वानिकी मॉडल पर परीक्षण किए : प्रो. बीआर कांबोज

एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि खेजड़ी सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी और चरखी दादरी जिलों में पाया जाता है। कृषि वानिकी मॉडलों पर परीक्षण किए हैं, जिसमें पाया गया कि खेजड़ी के साथ जो फसल बोई जाती है उस फसल की उत्पादकता सामान्य से अधिक होती है। खेजड़ी की फलियों का मूल्य संवर्धन करके अचार, लड्डू, चटनी, बिस्किट इत्यादि खाद्य उत्पाद निर्मित करके उद्यमिता को बढ़ावा मिल सकता है।

जीजेयू के कुलपति प्रो. नरसीराम ने चिपको आंदोलन व अन्य विषयों पर अपने विचार रखे। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने खेजड़ी पर विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की।

इस अवसर पर वन मंडल अधिकारी, रोहतास बीरथल, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, रजिस्ट्रार डॉ. पवन मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	9-2-25	12	1-5

खेजड़ी को सरंक्षण व बढ़ावा देने के उदेश्य से एचएयू में बैठक

पर्यावरण संतुलन में पेड़ों की अहम भूमिका: राज्यपाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज व अन्य।

राज्यपाल व हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने कहा है कि खेजड़ी शुष्क क्षेत्र का बहुत महत्वपूर्ण वृक्ष है। इसका संपूर्ण भाग मनुष्य और पशुओं के लिए लाभदायक है तथा यह पर्यावरण को संतुलित करने में अहम भूमिका निभाता है।

महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय शनिवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खेजडी को हरियाणा में संरक्षण व बढ़ावा देने के उदेश्य से आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में नलवा के विधायक रणधीर पनिहार, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने कहा कि खेजड़ी एक नाइट्रोजन-फिक्सिंग पेड़ है जो मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाता है। खेजड़ी का उपयोग आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों का उपयोग लंबे समय से विभिन्न बीमारियों के इलाज में किया जाता रहा है।

इतने महत्वपूर्ण वृक्ष का संरक्षण व इसको बढावा देना जरूरी है। इसके लिए विश्वविद्यालय शोध करें, किसानों को पौधे उपलब्ध करवाएं और किसानों में खासतौर पर युवाओं को इसके महत्व के बारे में जागरूक करें। उन्होनें सामाजिक संगठनों व कार्यकत्ताओं को भी इस मुहिम से जोडने को कहा ताकि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसके बारे में जागरूक कर सकें।

ये रहे उपस्थित

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने खेजड़ी पर विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर वन मंडल अधिकारी, रोहतास बीरथल, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, रजिस्ट्रार डॉ. पवन कुमार, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, डॉ. एसके पाहुजा, एसवीसी कपिल अरोड़ा, विभागाध्यक्ष वानिकी विभाग डॉ. संदीप आर्य व डॉ. उर्वशी नांदल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	9-2-25	07	6-8

खेजड़ी के पेड़ के महत्व से किसानों को जागरूक करना होगा : बंडारू दत्तात्रेय

हिसार, 8 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि खेजड़ी के पेड़ की महत्वत्ता से किसानों को जागरूक करना होगा। इसके लिए फॉरेस्ट डिपार्टमैंट के साथ-साथ यूनिवर्सिटी के साइंटिस्ट को भी अहम भूमिका अदा करनी होगी। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय शनिवार को हिसार पहुंचे थे। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पहुंचने पर हिसार प्रशासन की तरफ से महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय का अतिरिक्त उपायुक्त सी.जयाश्रद्धा ने स्वागत किया। इस दौरान उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। एचएयू में हुई बैठक में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने खेजड़ी यानी जांटी पेड़ के बारे में कई पहलुओं पर चर्चा की। बैठक में नलवा विधायक रणधीर पनिहार, चौधरी चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो बीआर काम्बोज, गुरु जम्भेश्वर साइंस एवं टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी के वीसी नरसी राम बिश्नोई, फॉरेस्ट डिपार्टमैंट के अधिकारियों के अलावा

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य संयुक्त चित्र में।

यूनिवर्सिटी के अलग-अलग डिपार्टमैंट के डीन भी मौजूद थे। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने इस दौरान कहा कि इसमें कोई दोराय नहीं है कि खेजड़ी यानि जांटी महत्वशाली है। इसके गुणों के बारे में हर किसी को पता होना चाहिए। किसान इसके प्रति तभी आकर्षित होंगे, जब इसके बारे में उन्हें पता लगेगा। किसानों को इस संबंध में प्रोत्साहित भी करें। क्योंकि जब उनमें इस पौधे की महत्व को लेकर जागरूकता आएगी तब वो इस दिशा में कार्य भी करेंगे। ऐसे में फॉरेस्ट डिपार्टमेंट इसके लिए समाजसेवियों और यूनिवर्सिटी को साथ लेकर काम करें। किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने यूनिवर्सिटी प्रबंधन को इस पेड़ को लेकर रिसर्च शुरू करने के निर्देश भी दिए। इसके तहत वैल्यू एडिशन की दिशा में काम करने के साथ साथ, इस प्रजाति को लेकर ऐसा काम करने के निर्देश दिए कि जिसके इस प्रजाति के पेड़ को ा बड़ा होने में पहले की तुलनात्मक कम वक्त लगे। खेजड़ी पौधे के उत्पादन के संबंध में काम करने को लेकर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि इस विषय को लेकर शॉर्टकट में नहीं बल्कि जड़ में जाने की जरूरत है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	08.02.2025	--	--

खेजड़ी के महत्व को किसानों से रूबरू करवाना होगा : राज्यपाल

एचएयू में कृषि विशेषज्ञों तथा प्रशासनिक अधिकारियों से किया मंथन

सिटीपल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि खेजड़ी के पेड़ की महत्वत्ता से किसानों को जागरूक करना होगा। इसके लिए फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के साथ साथ यूनिवर्सिटी के साइंटिस्ट को भी अहम भूमिका अदा करनी होगी। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय शनिवार को हिसार पहुंचे थे। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पहुंचने पर हिसार प्रशासन की तरफ से महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय का अतिरिक्त उपायुक्त सी.जयाश्रद्धा ने स्वागत किया। इस दौरान उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

एचएयू में हुई बैठक में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने खेजड़ी यानी जांटी पेड़ के बारे में कई पहलुओं पर चर्चा की। बैठक में नलवा विधायक रणधीर पनिहार, चौधरी चरण सिंह हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो बीआर काम्बोज, गुरु जम्भेश्वर साइंस एवं टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी के वीसी नरसी राम बिश्नोई, फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के अधिकारियों के अलावा यूनिवर्सिटी के अलग अलग डिपार्टमेंट के डीन भी मौजूद थे।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने इस दौरान कहा कि इसमें कोई दोराय नहीं है कि खेजड़ी यानि जांटी महत्वशाली है। इसके गुणों के बारे में हर किसी को पता होना चाहिए। किसान इसके प्रति तभी आकर्षित होंगे, जब इसके बारे में उन्हें पता लगेगा। किसानों को इस संबंध में प्रोत्साहित भी करें। क्योंकि जब उनमें इस पौधे की महत्व को लेकर जागरूकता आएगी तब वो इस दिशा में कार्य भी करेंगे। ऐसे में फॉरेस्ट डिपार्टमेंट इसके लिए समाजसेवियों और यूनिवर्सिटी को साथ लेकर काम करें। किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने यूनिवर्सिटी प्रबंधन को इस पेड़ को लेकर रिसर्च शुरू करने के निर्देश भी दिए। इसके तहत वैल्यू एडिशन की दिशा में काम करने के साथ साथ इस प्रजाति को लेकर ऐसा काम करने के निर्देश दिए कि जिसके इस प्रजाति के पेड़ को पूरा बड़ा होने में पहले की तुलनात्मक कम वक्त लगे।

एचएयू वीसी प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि खेजड़ी को रेगिस्तान का राजा भी कहा जाता है, पारंपरिक कृषि वानिकी प्रणालियों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि किसान को बाउंड्री पर खेजड़ी के पौधे जरूर लगाने चाहिए। उन्होंने यूनिवर्सिटी को शोध के लिए जमीन व अन्य किसी प्रकार की सहायता देने का आश्वासन दिया। इस दौरान विधायक रणधीर पनिहार ने राजस्थान में पेड़ बचाने को लेकर 1730 में चलाए गए आंदोलन का जिक्र भी राज्यपाल के समक्ष किया। पनिहार ने जांटी के पेड़ पर शोध की आवश्यकता जताई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	09.02.2025	--	--

खेजड़ी बहुमूल्य वृक्ष, इसका संरक्षण और बढ़ावा जरूरी : राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

हकृवि में खेजड़ी को हरियाणा में संरक्षण व बढ़ावा देने के उद्देश्य से बैठक का आयोजन

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

खेजड़ी का फसलों पर सकारात्मक प्रभाव : कुलपति

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि खेजड़ी जिसे रेगिस्तान का राजा भी कहा जाता है, पारंपरिक कृषि वानिकी प्रणालियों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। हरियाणा में मुख्य रूप से सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी और चरखी दादरी जिलों में पाया जाता है। हकृवि के वानिकी विभाग ने विभिन्न कृषि वानिकी मॉडलों पर परीक्षण किए हैं जिसमें पाया गया कि खेजड़ी के साथ जो फसल बोई जाती है उस फसल की उत्पादकता सामान्य से अधिक होती है। यह मिट्टी की उर्वरता क्षमता को बढाता है।

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 8 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में खेजड़ी को हरियाणा में सरंक्षण व बढ़ावा देने के उदेश्य से एक बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने की।

हरियाणा के राज्यपाल व विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने अपने सम्बोधन में कहा कि खेजड़ी शुष्क क्षेत्र का बहुत महत्वपूर्ण वृक्ष है। इसका सम्पूर्ण भाग मनुष्य और पशुओं के लिए लाभदायक है तथा यह पर्यावरण को संतुलित करने में अहम भूमिका निभाता है। खेजड़ी एक नाइट्रोजन-फिक्सिंग पेड़ है जो मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाता है। खेजड़ी का उपयोग आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों का उपयोग लंबे समय से विभिन्न बीमारियों के इलाज में किया जाता रहा है। इतने महत्वपूर्ण वृक्ष का संरक्षण व इसको बढावा देना जरूरी है। इसके लिए विश्वविद्यालय शोध करें और किसानों को पौधे उपलब्ध करवायें और किसानों में खासतौर पर युवाओं को इसके महत्व के बारे में जागरूक करें। विधायक रणधीर पनिहार ने कहा कि किसान को बाउडरी पर खेजड़ी के पेड जरूर लगाने चाहिए और विश्वविद्यालय को शोध के लिए जमीन व अन्य किसी प्रकार की सहायता देने का आश्वासन दिया। जीजेयू के कुलपति प्रो. नरसी राम ने कहा कि चिपको आन्दोलन व अन्य विषयों पर अपने विचार रखें।

अनुसंधान निदेशक, डॉ. राजबीर गर्ग ने खेजड़ी पर विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर वन मण्डल अधिकारी, रोहतास बीरथल, ओएसडी डॉ अतुल ढींगड़ा, रजिस्ट्रार डॉ. पवन कुमार, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, डॉ. एसके पाहुजा, एसवीसी कपिल अरोड़ा, विभागाध्यक्ष वानिकी विभाग डॉ संदीप आर्य व डॉ उर्वशी नांदल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

बैठक में नलवा के विधायक रणधीर पनिहार, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व जीजेयू के कुलपति प्रो. नरसी राम व अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	9-2-25	01	3-6

हकृवि के कीट पर 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स शुरू

ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाएगी कीटों की समस्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में सेंटर ऑफ एडवांस्ड फैकल्टी ट्रेनिंग के तत्वावधान में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स आरंभ हुआ। कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को स्थाई कृषि के लिए बदलते जलवायु परिवेश में कीट प्रबंधन से अवगत करवाना है।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने शनिवार को कार्यक्रम में का शुभारंभ करते हुए कहा कि ग्लोबल वार्मिंग पौध वैज्ञानिकों के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से भविष्य में कीटों की समस्या बढ़ सकती है। उन्होंने वैज्ञानिकों से इस दिशा में कार्य करने का आह्वान किया ताकि ग्लोबल वार्मिंग के कारण पड़ने वाले दुष्प्रभावों से बचा जा सके।

हिसार। मुख्य अतिथि डॉ. राजबीर गर्ग प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ एसके पाहुजा ने बताया कि समन्वित कीट प्रबंधन वर्तमान समय की एक बहुत महत्वपूर्ण आवश्यकता है। कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डॉ. सुनीता यादव ने केंद्र की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और ट्रेनिंग कोर्स की विषय वस्तु पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में देश के 7 राज्यों से विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के 19 वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं। इस केन्द्र द्वारा आयोजित यह 37वां प्रशिक्षण कोर्स है तथा अब तक देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 640 प्राध्यापक कीट विज्ञान के विभिन्न सामयिक विषयों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष, प्रशिक्षण संयोजक डॉ एस. एस. यादव, डॉ. कृष्णा रोलानिया, डॉ. दिलीप कुमार तथा विभाग के सभी कीट वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	09-02-25	04	06

कृषि के कीट विज्ञान विभाग में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स शुरू

हिसार | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में सेंटर ऑफ एडवांस्ड फैकल्टी ट्रेनिंग के तत्वावधान में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स आरम्भ हुआ है। कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को स्थाई कृषि के लिए बदलते जलवायु परिवेश में कीट प्रबंधन से अवगत करवाना है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। अनुसंधान निदेशक ने बताया कि ग्लोबल वार्मिंग पौध वैज्ञानिकों के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से भविष्य में कीटों की समस्या बढ़ सकती है। उन्होंने वैज्ञानिकों से इस दिशा में कार्य करने का आह्वान किया ताकि ग्लोबल वार्मिंग के कारण पड़ने वाले दुष्प्रभावों से बचा जा सके। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि समन्वित कीट प्रबंधन वर्तमान समय की एक बहुत महत्वपूर्ण आवश्यकता है। कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डॉ. सुनीता यादव ने केंद्र की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और ट्रेनिंग कोर्स की विषय वस्तु पर भी प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	9-2-25	04	08

बदलते जलवायु परिवेश में कीट प्रबंधन की जानकारी दी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में सेंटर ऑफ एडवांस्ड फैकल्टी ट्रेनिंग के तत्वावधान में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स शुरू हुआ। कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को स्थायी कृषि के लिए बदलते जलवायु परिवेश में कीट प्रबंधन से अवगत करवाना है।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। अनुसंधान निदेशक ने बताया कि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से भविष्य में कीटों की समस्या बढ़ सकती है। उन्होंने वैज्ञानिकों से इस दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ एसके पाहुजा ने बताया कि समन्वित कीट प्रबंधन वर्तमान समय की आवश्यकता है। कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डॉ. सुनीता यादव ने केंद्र की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	08.02.2025	--	--

हकृवि के कीट विज्ञान विभाग में रिफ्रेशर कोर्स शुरू

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में सैंटर ऑफ एडवांसड फैकल्टी ट्रेनिंग के तत्वावधान में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स आरम्भ हुआ। कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को स्थाई कृषि के लिए बदलते जलवायु परिवेश में कीट प्रबंधन से अवगत करवाना है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कार्यक्रम मे बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

अनुसंधान निदेशक ने बताया कि ग्लोबल वार्मिंग पौध वैज्ञानिकों के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से भविष्य में कीटों की समस्या बढ़ सकती है। उन्होंने वैज्ञानिकों से इस दिशा में कार्य करने का आह्वान किया ताकि ग्लोबल वार्मिंग के कारण पड़ने वाले दुष्प्रभावों से बचा जा सके। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ एस. के. पाहुजा ने बताया कि समन्वित कीट प्रबंधन वर्तमान समय की एक बहुत महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

मुख्य अतिथि डॉ. राजबीर गर्ग प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए

कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डॉ. सुनीता यादव ने केंद्र की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और ट्रेनिंग कोर्स की विषय वस्तु पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में देश के 7 राज्यों से विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के 19 वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं। इस केन्द्र द्वारा आयोजित यह 37वां प्रशिक्षण कोर्स है तथा अब तक देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 640 प्राध्यापक कीट विज्ञान के विभिन्न सामयिक विषयों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष, प्रशिक्षण संयोजक डॉ एस. एस. यादव, डॉ. कृष्णा रोलानिया, डॉ. दिलीप कुमार तथा विभाग के सभी कीट वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर न्यूज	08.02.2025	--	--

हकृवि के कीट विज्ञान विभाग में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स शुरू

नभ-छोर न्यूज ⏭ 08 फरवरी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में सेंटर ऑफ एडवांस्ड फैकल्टी ट्रेनिंग के तत्वावधान में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स आरम्भ हुआ। कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को स्थाई कृषि के लिए बदलते जलवायु परिवेश में कीट प्रबंधन से अवगत करवाना है। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। अनुसंधान निदेशक ने बताया कि ग्लोबल वार्मिंग पौध वैज्ञानिकों के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से भविष्य में कीटों की समस्या बढ़ सकती है। उन्होंने वैज्ञानिकों से इस दिशा में कार्य करने का आह्वान किया ताकि ग्लोबल वार्मिंग के कारण पड़ने वाले दुष्प्रभावों से बचा जा सके। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. एस-

के पाहुजा ने बताया कि समन्वित कीट प्रबंधन वर्तमान समय की एक बहुत महत्वपूर्ण आवश्यकता है। कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डॉ. सुनीता यादव ने केंद्र की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और ट्रेनिंग कोर्स की विषय वस्तु पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में देश के 7 राज्यों से विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के 19 वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं। इस केन्द्र द्वारा आयोजित यह 37वां प्रशिक्षण कोर्स है तथा अब तक देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 640 प्राध्यापक कीट विज्ञान के विभिन्न सामयिक विषयों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष, प्रशिक्षण संयोजक डॉ एसएस यादव, डॉ. कृष्णा रोलानिया, डॉ. दिलीप कुमार तथा विभाग के सभी कीट वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	09.02.2025	--	--

हकृवि के कीट विज्ञान विभाग में 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स शुरू

मुख्य अतिथि डॉ. राजबीर गर्ग प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए।

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में सेंटर ऑफ एडवांस्ड फैकल्टी ट्रेनिंग के तत्वावधान में 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स आरम्भ हुआ। अनुसंधान निदेशक ने बताया कि कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को स्थाई कृषि के लिए बदलते जलवायु परिवेश में कीट प्रबंधन से अवगत करवाना है। ग्लोबल वार्मिंग पौध वैज्ञानिकों के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से भविष्य में कीटों की समस्या बढ़ सकती है। उन्होंने वैज्ञानिकों से इस दिशा में कार्य करने का आह्वान किया ताकि ग्लोबल वार्मिंग के कारण पड़ने वाले दुष्प्रभावों से बचा जा सके। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ एस. के. पाहुजा ने बताया कि समन्वित कीट प्रबंधन वर्तमान समय की एक बहुत महत्वपूर्ण आवश्यकता है। कीट विज्ञान विभाग की अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डॉ. सुनीता यादव ने केंद्र की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में देश के 7 राज्यों से विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के 19 वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं। इस केन्द्र द्वारा आयोजित यह 37वां प्रशिक्षण कोर्स है तथा अब तक देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 640 प्राध्यापक कीट विज्ञान के विभिन्न सामयिक विषयों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष, प्रशिक्षण संयोजक डॉ एस. एस. यादव, डॉ. कृष्णा रोलानिया, डॉ. दिलीप कुमार तथा विभाग के सभी कीट वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	09-02-25	04	2-8

हरियाणा की संस्कृति से सीखकर अपने राज्यों में जाएं : बंडारू

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय एचएयू और ओम स्ट्रलिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी पहुंचे

भास्कर न्यूज | हिसार

शिक्षा जीवन को आगे बढ़ाने का आधार बनती है। शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम व्यक्ति के व्यक्तित्व के विकास के लिए जरूरी है। यह बात महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी में आयोजित 38वें एआईयू इंटर यूनिवर्सिटी नॉर्थ वेस्ट जॉन यूथ फेस्टिवल कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कही।

पांच दिवसीय युवा महोत्सव में उत्तर-पश्चिम क्षेत्र के 23 यूनिवर्सिटी भाग ले रही हैं। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा शिक्षा का उद्देश्य मात्र डिग्रियां प्राप्त करना ही नहीं है, बल्कि युवाओं को संस्कारवान, विचारवान एवं बहुमुखी प्रतिभा का धनी बनाना भी है। उन्होंने कहा कि कलाकार बनना इतना आसान नहीं होता। कलाकार के हृदय में प्रेम, करूणा और दूसरों के लिए विचार होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की संस्कृति और सभ्यता विस्तृत है। इसे सीखकर अपने-अपने राज्यों में जाएं। राज्यपाल ने कहा कि देश में नई शिक्षा नीति आई है, जिसके जरिये शिक्षा के साथ साथ न्यू टेक्नोलॉजी के बारे में भी बताया जाएगा। विधायक रणधीर पनिहार, ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल, प्रो. चांसलर डॉ. पूनम गोयल, डॉ. एनपी. कौशिक, अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा, बरवाला एसडीएम डॉ. वेदप्रकाश बेनीवाल, डॉ. आरएस छिल्लर, मार्क फैजी, ममता अग्रवाल, डॉ. ओविओ, राह सिंथिया अमारा मौजूद थे।

एचएयू में बोले- खेजड़ी वृक्ष पर होगा शोध, एचएयू में तैयार की जाएगी लैब

इधर, एचएयू में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि खेजड़ी के पेड़ की महत्वत्ता से किसानों को जागरूक करना होगा। इसके लिए फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के साथ साथ यूनिवर्सिटी के साइंटिस्ट को भी अहम भूमिका अदा करनी होगी। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में वैज्ञानिकों के साथ चर्चा में यह बात कही। बैठक में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा किसानों को खेजड़ी के बारे में प्रोत्साहित भी करें। उन्होंने यूनिवर्सिटी प्रबंधन को इस पेड़ को लेकर रिसर्च शुरू करने के निर्देश भी दिए। लैब के विषय पर अपनी बात रखते हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि लैब बन जाएगी। पहला काम लोगों तथा किसानों को इस विषय के बारे में जागरूक करना, दूसरा शोध शुरू करना और तीसरा रूपरेखा बनाकर भविष्य की योजना पर काम करना। विधानसभा के सेशन के बाद वो इस विषय पर

एक खास बैठक करेंगे। एचएयू वीसी प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि खेजड़ी को रेगिस्तान का राजा भी कहा जाता है। हरियाणा में मुख्य रूप से सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी और चरखी दादरी जिलों में पाया जाता है। वीसी प्रो. नरसीराम बिश्नोई, विधायक रणधीर पनिहार, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, वन मंडल अधिकारी रोहतास बीरथल, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, जीजेयू रजिस्ट्रार डॉ. पवन कुमार आदि रहे।